हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, दोइमुख, ईटानगर

Department of Hindi

Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar

सत्र पद्धति

प्रयोजनमूलक हिन्दी
स्नातकोत्तर डिप्लोमा का पाठ्यक्रम

शिक्षा-सत्र 2019 -2020 से प्रभावी

प्रयोजनमूलक हिन्दी
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

पत्र संकेत संख्या	पत्र का नाम	अंक	क्रेडिट
PGDFH-421	हिंदी भाषा : सांविधानिक स्थिति, दक्षता एवं व्यवहार	100	4
PGDFH-422	हिंदी पत्रकारिता एवं प्रेस विधि	100	4
PGDFH-423	जनसंचार माध्यम एवं वेब लेखन	100	4
PGDFH-424	कम्प्यूटर अनुप्रयोग: तकनीक, संसाधन एवं उपकरण	100	4

द्वितीय सत्र

PGDFH- 425	अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि	100	4
PGDFH-426	विज्ञापन व्यवसाय, बाजार और हिन्दी	100	4
PGDFH-427	परियोजना कार्य	100	4
PGDFH-428	प्रायोगिक हिन्दी	100	4

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है और इसके लिये दो सत्र निर्धारित हैं, विद्यार्थियों को चार पत्र प्रथम सत्र में तथा चार द्वितीय सत्र में पढ़ने होंगे। सभी पत्र अनिवार्य (Core Paper) हैं। आवश्यक निर्देश पत्रों के भीतर ही दे दिये गये हैं। पत्र संकेत संख्या (Paper Code) में PGDFH का अर्थ Post Graduate Diploma in Functional Hindi है और संख्याएँ 421, 422 आदि पत्र संख्या यथा – प्रथम पत्र, द्वितीय पत्र आदि की सूचक हैं।

PGDFH- 421

हिंदी भाषा: सांविधानिक स्थिति, दक्षता एवं व्यवहार

इकाई-1 **हिंदी भाषा और संविधान प्रदत प्रावधान**

राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा और मानक भाषा के रूप में हिन्दी। आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ और हिंदी। भारत के संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान-अनुच्छेद 343 से 351 तक; राष्ट्रपति के आदेश : 1952, 1955, 1960; राजभाषा अधिनियम-1963, यथा संशोधित 1967; राजभाषा संकल्प-1968, यथानुमोदित 1991; राजभाषा नियम 1976, यथा संशोधित 1987 इत्यादि।

व्याख्यान- 12

इकाई-2 **हिन्दी के प्रचार-प्रसार का स्वरूप और प्रमुख संस्थाओं की भूमिका**

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, नागरी लिपि परिषद्, राजभाषा विभाग, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद, हिन्दुस्तानी एकेदमी, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा-मद्रास, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति-वर्धा, हिंदी सचिवालय, मारीशस।

व्याख्यान- 12

इकाई-3 **हिन्दी की व्याकरणिक व्यवस्था**

उपसर्ग और प्रत्यय: हिन्दी की कारकीय व्यवस्था; विभक्ति और परसर्ग; लिंग, वचन, पुरुष और काल सम्बन्धी नियम तथा इनके कारण उत्पन्न होने वाले भाषिक दोष एवं उनका समाधान; वाक्य-रचना में होने वाली अशुद्धियों के कारण एवं निवारण, स्वर- व्यंजन , अन्तराष्ट्रीय अंक, विराम चिह्न।

व्याख्यान- 12

इकाई-4 **प्रयोजनमूलक हिंदी एवं कार्यालयी पत्राचार**

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ एवं क्षेत्र, प्रयुक्ति, उद्देश्य एवं महत्त्व, सरकारी कामकाज की पद्धति : सचिवालय, मंत्रालय, विभागीय कार्यालय इत्यादि। टिप्पण और प्रारूपण; पत्राचार के विभिन्न प्रकार, संक्षेपण, प्रतिवेदन इत्यादि।; केन्द्रीय सरकारी कार्यालय की व्याख्या, सरकारी कार्यप्रणाली, सचिवालय की कार्य-पद्धति, कार्यालयी टिप्पणी और मसौदा लेखन, पत्राचार और सरकारी पत्राचार के प्रकार, संक्षेपण, प्रतिवेदन।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन :

पूर्णांक-100

आंतरिक-20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

सहायक ग्रन्थः-

1. राजभाषा के आन्दोलन में हिन्दी आंदोलन का इतिहास - राजनारायण दुबे, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
2. राजभाषा हिन्दी - गोविन्द दास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
3. राष्ट्रभाषा की समस्या - रामविलास शर्मा, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी भाषा - डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लिमिटेड, इलाहाबाद।
6. नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी - अनंत चौधरी, बिहारी हिन्दी ग्रंथ अकादमी , पटना।
7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ - नरेश मिश्र, मंथन प्रकाशन, रोहतक।
8. हिंदी भाषा और नागरी लिपि - डॉ. भोलानाथ तिवारी, लोक भारती, इलाहाबाद।
9. राजभाषा हिन्दीः समस्याएँ और समाधान - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोक भारती, इलाहाबाद।
10. अच्छी हिन्दी - आचार्य रामचन्द्र वर्मा, लोक भारती , इलाहाबाद।
11. शुद्ध हिन्दी - डॉ. हरदेव बाहरी, लोक भारती, इलाहाबाद।
12. व्यावहारिक हिंदी: शुद्ध प्रयोग - डॉ. ओमप्रकाश, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
13. व्यावसायिक सम्प्रेषण - डॉ. हंसराज पाल, डॉ. मंजुलता शर्मा, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
14. व्यावसायिक सम्प्रेषण - डॉ. अनूपचन्द्र पु. भायाणी, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
15. राष्ट्रभाषा और हिन्दी - राजेन्द्र मोहन भटनागर , केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
16. भाषा आन्दोलन - सेठ गोविन्ददास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
17. सरकारी कार्यालय में हिन्दी का प्रयोग - गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
19. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
20. प्रयोजनमूलक हिन्दी - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान , आगरा।
21. प्रालेखन प्रारूप - शिवनारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

****

PGDFH- 422

हिंदी पत्रकारिता एवं प्रेस विधि

इकाई- 1 **पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार**

भारत में पत्रकारिता का आरंभ। हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। राष्ट्रीय आन्दोलन और हिंदी पत्रकारिता, आज की पत्रकारिता : चुनौतिया एवं संभावनाएँ। सूचना-समाज और संचार प्रौद्योगिकी, पत्रकारिता प्रशिक्षण, पत्रकारिता-प्रशिक्षण के प्रमुख संस्थान। हिंदी मीडया हाउस और पत्र-पत्रिकाएँ, प्रकाशन समूह। पेड न्यूज, इम्बेडेड जर्नलिज्म, पीत पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, पेज-थ्री पत्रकारिता इत्यादि।

व्याख्यान-12

इकाई- 2 **सम्पादन कला और सम्पादन के विभिन्न आयाम**

सम्पादन कला और सम्पादक की अर्हता, सम्पादकीय कक्ष और उप-सम्पादक की भूमिका, संवाददाता की श्रेणी और कार्य-पद्धति, पृष्ठीय साज-सज्जा और पृष्ठ निर्माण, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास; समाचार के स्वरूप एवं प्रकार, समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार समितियाँ, गृह पत्रिका और सावधिक पत्रिकाएँ।

व्याख्यान-12

इकाई- 3 **समाचार-पत्र एवं मीडिया लेखन**

समाचार लेखन की प्रविधि, आमुख और समाचार-पत्र के विभन्न स्तंभों की योजना : सम्पादकीय लेखन, फीचर लेखन, रिपोर्ताज लेखन, साक्षात्कार लेखन, खोजी समाचार लेखन, अनुवर्तन समाचार लेखन, पत्रकारिता में अनुवाद, अनूदित समाचार आदि। सिनेमा और पटकथा- लेखन।

व्याख्यान-12

इकाई- 4 **अभिव्यक्ति की स्वतत्रंता और प्रेस विधि**

वाक् की अभिव्यक्ति, अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य, प्रेस की स्वतंत्रता; प्रसार भारती विधेयक, गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की पत्रकारिता, मैकब्राइड कमीशन। प्रथम और द्वितीय प्रेस आयोग : स्थापाना के उद्देश्य, संस्तुतियाँ एवं कार्यवाही। भारतीय प्रेस परिषद् : संरचना, अधिनियम, भूमिका तथा महत्व। मानहानि के प्रावधान, न्यायालय की अवमानना , संसदीय विशेषाधिकार , प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम-1867 , शासकीय गुप्तवात अधिनियम-1923, प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम-1957 , श्रमजीवी पत्रकार और समाचार पत्रों में कर्माचारियों की स्थिति, सेवा कर्मियों से संबंधित कानून और आचार संहिता।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन :

पूर्णांक-100

आंतरिक-20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

सहायक ग्रंथ:-

1. हिन्दी के यशस्वी पत्रकार - क्षेमचन्द्र 'सुमन', प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
2. साहित्यिक पत्रकारिता - ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बालमुकुन्द गुप्त - कृष्णदत्त पालीवाल, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. सूचना प्रौद्योगिकी और पत्रकारिता - अशोक मलिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
5. फिल्म अथवा टीवी को अपना कार्य-क्षेत्र बनाएँ - विनोद तिवारी, पुस्तक महल, दिल्ली।
6. समाचार पत्र प्रबंधन -गुलाब कोठारी, (सं.) अरविन्द चतुर्वेदी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल।
7. पत्रकारिता: मिशन से मीडिया तक - अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. संचार माध्यम लेखन - गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. संवाद समिति की पत्रकारिता - काशीनाथ गोविन्दराव जोगलेकर, (सं.) रामशरण जोशी, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल।
11. पत्रकारिता एवं सम्पादन कला - एन. सी. पंत, राधा पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली।
12. भारत में प्रेस एवं प्रेस विधि (1556-1947) - नरेन्द्र शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
13. आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
14. संवाददाता , सता और महत्ता - हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद।
15. समाचार सम्पादन और पृष्ठ सज्जा - रमेश कुमार जैन, यूनिवर्शल जयपुर।
16. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, शब्द प्रकाशन , नई दिल्ली।
17. प्रेस विधि - नन्द किशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
18. मीडिया लेखन - चन्द्र प्रकाश मिश्र
19. सम्पादन के सिद्धांत - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
20. आधुनिक समाचार-पत्र: मुद्रण और पृष्ठ-सज्जा - श्याम सुंदर शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।

****

PGDFH-423

जनसंचार माध्यम एवं वेब लेखन

इकाई- 1 **संचार एवं जनमाध्यम लेखन**

संचार : अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, विशेषताएँ; जनमाध्यम : स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार, संचार माध्यमों की भाषा, माध्यमोपयोगी लेखन : अर्थ, प्रकृति, गुण और विशेषताएँ; हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास; हिंदी लेखन के विभिन्न क्षेत्र और नई संभावनाएँ।

व्याख्यान-12

इकाई- 2 **श्रव्य माध्यम लेखन और तकनीक**

श्रव्य संचार : अर्थ, क्षेत्र, उपयोगिता एवं महत्त्व; रेडियो : परिचय, महत्त्व, योगदान और विकास-यात्रा; रेडियो तकनीक और प्रविधि, रेडियो लेखन की भाषा, रेडियो की विभिन्न विधाएँ, रेडियो नाटक और प्रमुख भेद : रेडियो धारावाहिक , रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक; रंग नाटक, पाठ्य नाटक और रेडियो नाटक का अन्तर।

व्याख्यान-12

इकाई-3 **दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन और तकनीक**

दृश्य-श्रव्य संचार : अर्थ, क्षेत्र, उपयोगिता एवं महत्त्व; टेलीविजन : परिचय, महत्त्व, योगदान और विकास-यात्रा; टेलीविजन तकनीक और प्रविधि, टेलीविजन लेखन की भाषा, टेलीविजन की विभिन्न विधाएँ, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन, संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि; टेलीविजन नाटक के प्रमुख भेद; साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण कला : कहानी, उपन्यास, नाटक एवं कविता के विशेष सन्दर्भ में।

व्याख्यान-12

इकाई- 4 **नव माध्यम एवं वेब लेखन**

हिन्दी ई-पत्र एवं पत्रिकाएं; सोशल मीडिया : अर्थ, क्षेत्र, उपयोगिता एवं महत्त्व; वेब लेखन : विषयवस्तु एवं भाषिक विश्लेषण, हिन्दी ब्लॉग लेखन, हिन्दी विकीपीडिया, यूनीकोड प्रयोग, ऑनलाइन सेवाएं, ई- लर्निंग एवं ई- गर्वनेंस आदि।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन :

पूर्णांक-100
आंतरिक-20 अंक
बाह्य- 80 अंक

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

सहायक ग्रंथ:-

1. संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. संचार और फोटो पत्रकारिता - रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. रेडियो, साहित्य और पत्रकारिता - डॉ. अकेलाभाई, समय प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. दूरदर्शन: सम्प्रेषण और संस्कृति - सुधीश पचैरी, आत्माराम एण्ड सन्स, नई दिल्ली।
5. दूरदर्शन: दशा और दिशाए - सुधीश पचैरी, प्रकाशन विभाग, नयी दिल्ली।
6. मीडिया और हमारा समय - प्रांजल धर, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
7. टेलीविज़न की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. टेलीविजन : सिद्धांत और टेकनीक - मथुरादत शर्मा
9. टेलीविज़न लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
10. रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर
11. रेडियो नाटक -सिद्धनाथ कुमार
12. टेलीविजन - के. के. बाली
13. मीडिया लेखन और सम्पादन - शैलेन्द्र सेंगर; आविष्कार प्रकाशन, दिल्ली।
14. संचार माध्यम : तकनीक और लेखन - डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ , श्याम प्रकाशन जयपुर।
15. सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में करियर - विनीता सिंघल, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नई दिल्ली।
16. न्यू मीडिया और बदलता भारत - प्रांजल धर, कृष्णाकांत, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
17. देखते रहिए - रवीश कुमार, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
18. रेडियो वार्ता शिल्प - डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
19. रेडियो और दूर-दर्शन पत्रकारिता - हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. बोलने की कला - डॉ. भानुशंकर मेहता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
21. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - डॉ. हरिमोहन
22. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर
23. भारत मीडिया 2000 - प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
24. ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

****

PGDFH-424

कम्प्यूटर-अनुप्रयोग : तकनीक संसाधन एवं उपकरण

इकाई- 1 **कम्प्यूटर परिचय एवं प्रकार्य**

कम्प्यूटर की विकास यात्रा, कम्प्यूटर की कार्यप्रणाली, कम्प्यूटर के विभिन्न घटक, कम्प्यूटर की संरचना (हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की भूमिका), कम्प्यूटर उपयोग तथा क्षेत्र।

व्याख्यान-12

इकाई- 2 **भाषाई कम्प्यूटर और अनुप्रयोग**

भाषाई कम्प्यूटर का भविष्य, यूनीकोड की जानकारी, यूनीकोड का प्रयोग, हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन के आवश्यक औजार (वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन, विविध तकनीक)।

व्याख्यान-12

इकाई – 3 **प्रायोगिक कार्य और इंटरनेट**

एम.एस. ऑफिस का अध्ययन (हिंदी के विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में), हिंदी में एक्सल शीट, पावर प्वॉइंट का निर्माण तथा पेज मेकर में कार्य, ब्लॉग-प्रकाशन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, इंटरनेट पर सामग्री-सृजन, यू-ट्यूब, कम्प्यूटर सुरक्षा एवं वायरस, इंटरनेट पर सूचनाएं प्राप्त करने की विधि।

व्याख्यान-12

इकाई – 4 **इंटरनेट शब्दावली और बदलता स्वरूप**

ब्राउजिंग, लिंक, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, फाईल अटेचमेंट, एनकोडिंग, फाइल शेयरिंग, फाइल कन्वर्जन, साइबर अपराध, इंटरनेट संबंधी कानून तथा आचार-संहिताएँ, इंटरनेट के खतरे, चुनौतियां एवं संभावनाएं।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन :

पूर्णांक-100

आंतरिक-20 अंक

बाह्य- 80 अंक

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

****

संदर्भ-पुस्तकें :

1. कम्प्यूटर एक परिचय - सं. संतोष चौबे
2. एम.एस. ऑफिस - विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा
4. इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास - ब्रूस स्टर्लिंग
5. कम्प्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
6. समान्तर कोश - अरविन्द कुमार
7. तकनीकी सुलझनें - बालेन्दु शर्मा दधीच

PGDFH- 425

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि

इकाई 1

अनुवादः अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र; अनुवाद के गुण ; अनुवाद के सिद्धान्त। अनुवाद की इकाईः शब्द, पदबंध, वाक्य , पाठ।

व्याख्यान-12

इकाई 2

अनुवाद के प्रकार, साहित्यिक अनुवाद, साहित्येतर अनुवाद, शैलीगत एवं शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायावाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद की सीमाएँ

व्याख्यान – 12

इकाई 3

अनुवाद की समस्याएँ : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ , वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ , विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ , मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

व्याख्यान-12

इकाई 4

अनुवाद के उपकरण- कोश, पारिभाषिक शब्दावली , थिसारस , कम्प्यूटर , मशीनी अनुवाद, अनुसृजन और अनुवाद। **व्यावहारिक अनुवाद** : प्रश्नपत्र में दिए गए अंग्रेजी / हिन्दी अवतरण का अनुवाद।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यन्तर – 20

बाह्य – 80

निर्देशः-

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।

15X4= 60 अंक

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक – एक का उत्तर लिखना होगा।

5X4= 20 अंक

****

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवादः सिद्धान्त एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथ , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. अनुवाद कला - डॉ. एन. ई विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
5. अनुवाद कालः सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. कैलाश चनद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
6.पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन , दिल्ली।
7.कार्यालयी अनुवाद की समस्या - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. अनुवाद चिंतन के सैद्धान्तिक आयाम - स. डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. ओम प्रकाश सिंहल, भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली।
10.पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्रोत - डॉ. गार्गी गुप्त एवं डॉ. विश्वप्रकाश गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद्, दिल्ली।
11. अनुवाद विज्ञान भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल, दिल्ली।
12. अनुवाद चिन्तन - डॉ. शफीकुन्निसा खा, डॉ. छविल कुमार मेहेर, अमन प्रकाशन, सागर।

PGDFH- 426

विज्ञापन व्यवसाय, बाजार और हिन्दी

इकाई 1 **विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप**

विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य, उपयोगिता और महत्व, विज्ञापन के कार्य तथा प्रकार, विज्ञापन की चर्चित हस्तियां (एड गुरु), विज्ञापन एवं प्रचार में अंतर। एडवोटोरियल, सरोगेट विज्ञापन।

व्याख्यान- 12

इकाई 2 **विज्ञापन : माध्यम एवं लेखन**

विज्ञापन माध्यमों के प्रमुख भेद : मुद्रित, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य विज्ञापन, बाह्य विज्ञापन, खिड़की विज्ञापन, उपहार विज्ञापन इत्यादि। विज्ञापन की लेखन कला : विज्ञापन की भाषा, रूप, शैली, और विशेषताएं, विभिन्न माध्यमों में विज्ञापनों की शैली, ई-विज्ञापन लेखन।

व्याख्यान- 12

इकाई 3 **विज्ञापन : कॉपी-लेखन**

विज्ञापन कॉपी-लेखन के अंग : शीर्षक, उपशीर्षक, बॉडी कॉपी, चित्र, ट्रेडमार्क, ले-आउट एवं स्लोगन, जिंगल, पंचलाईन, टैगलाईन आदि। कॉपी-लेखन का प्रारूप, कॉपी-लेखन के लिए आवश्यक बातें, कॉपी-लेखन प्रक्रिया (प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए)।

व्याख्यान- 12

इकाई 4 **हिन्दी विज्ञापन और बाजार-तंत्र**

हिन्दी विज्ञापन की दुनिया, व्यावसायिक विज्ञापन, विज्ञापन एजेंसियां, विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, भारत में विज्ञापन व्यवसाय, व्यावसायिक क्षेत्र में विज्ञापन, विज्ञापन का सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ, विज्ञापन और अर्थतंत्र, माध्यम बाजारवाद और विज्ञापन का अंतर्संबंध, विज्ञापन : कानून एवं आचारसंहिता।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन :

पूर्णांक-100
आंतरिक-20 अंक
बाह्य- 80 अंक

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15x4= 60
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 5x4=20

सहायक ग्रंथ :

1. विज्ञापन माध्यम एवं प्रचार - विजय कुलश्रेष्ठ
2. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा
3. डिजिटल युग में मॉस कल्चर और विज्ञापन - सुधा सिंह एवं जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. एडवरटाईजिंग मेड सिम्पल - फ्रैंक जेफ़ किन्स
5. हिंदी विज्ञापन, भाषिक और शैलीगत अध्ययन – डॉ. कौशल्या
6. विज्ञापन : भाषा और संरचना – डॉ. रेखा सेठी
7. आधुनिक विज्ञापन – डॉ. प्रेमचंद पातंजलि
8. जनसंचार में कैरियर - प्रो. रमेश जैन, सबलाइम पब्लिकेशन्स, जयपुर
9. जनसंचार विश्वकोश - प्रो. रमेश जैन , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली

****

PGDFH- 427

परियोजना कार्य

- 40 पृष्ठ की सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद। अनुवाद के लिए सामग्री का चयन नियमानुसार होगा।

अथवा

- 50 पृष्ठ का प्रयोजनमूलक हिन्दी विषयक लघु शोध प्रबंध। लघु शोध प्रबंध के लिए विषय का चयन प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र से किया जाएगा।
- विभागाध्यक्ष की अनुमति से विद्यार्थी विभाग के किसी भी अध्यापक के निर्देशन में अपना शोध प्रबंध तैयार कर सकता है।
- लघुशोध प्रबंध लिखने की अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को दी जाएगी जिन्होंने प्रथम सत्र में कम से कम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो।
- लघुशोध प्रबंध तीन प्रतियों में जमा करना होगा। इसका मूल्यांकन कम से कम एक बाह्य परीक्षक करेगा।

अंक विभाजन

पूर्णांक – 100

अभ्यन्तर- 20

बाह्य- 80

****

PGDFH- 428

प्रायोगिक कार्य

इकाई 1 रेडियो और टेलीविजन के लिए कार्यक्रम तैयार करने की विधियाँ।
(इस हेतु रेडियो एवं दूरदर्शन केन्द्र पर ले जाकर अभ्यास करवाना अपेक्षित है।)

व्याख्यान- 12

इकाई 2 क्षेत्रीय कार्य परिभ्रमण एवं फीचर व प्रतिवेदन लेखन :
समाचार-पत्र संपादन के व्यावहारिक अभ्यास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

व्याख्यान- 12

इकाई 3 छाया चित्र, फोटोग्राफी और चित्र पत्रकारिताः सिद्धांत और व्यवहार ; चित्र संपादन, फीचर प्रदर्शनी और प्रदर्शन विधियाँ। विद्यार्थियों से इसका व्यावहारिक अभ्यास अपेक्षित है। व्याख्यान-12

इकाई 4 साक्षात्कार और प्रश्नावलियों के माध्यम से एकत्रित जानकारियों के विश्लेषण के तरीके – विद्यार्थी प्रश्नावली बनाने का अभ्यास करेंगे और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर विषय का विश्लेषण प्रस्तुत करेंगे।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100
अभ्यन्तर- 20 अंक
बाह्य- 80 अंक

निर्देशः-

1. सभी इकाइयों में प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी। इस परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक को भी बुलवाया जा सकता है।
2. प्रत्येक इकाई 20 अंक की है।